# चोइथराम मंडी में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह फेल

इंदौर की चोइथराम मंडी में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ती चाकूबाजी की घटनाओं, नशेड़ियों एवं असामाजिक तत्वों के बढ़ते आतंक के चलते किसानों व्यापारियों हम्मालों और कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। हाल ही में मंडी परिसर में हुई दो बड़ी चाकूबाजी की घटनाओं ने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

**लगातार चाकूबाजी की घटनाओं से किसानों और व्यापारियों में आक्रोश**

किसान नेता बबलू जाधव ने मंडी प्रशासन और मंडी सचिव की निष्क्रियता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चोइथराम मंडी आज असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों का अड्डा बनती जा रही है। मंडी परिसर में संचालित कई अवैध दुकानों पर खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है, लेकिन मंडी प्रशासन आंखें मूंदकर बैठा हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मंडी की व्यवस्था सुधारने और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले किसान नेताओं पर ही दबाव बनाकर एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की जाती है, जबकि वास्तविक अपराधी और अवैध गतिविधियों में शामिल लोग खुलेआम घूम रहे हैं।

बबलू जाधव ने कहा कि तीनों मंडियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग डेढ़ सौ सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था संभालने के बजाय अधिकांश गार्ड नाकों पर अवैध वसूली में व्यस्त रहते हैं। मंडी सचिव का अपने अधिकारियों और कर्मचारियों पर नियंत्रण समाप्त होता दिखाई दे रहा है, जिसके कारण मंडी में अराजकता का माहौल बन गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ समय पहले मंडी सचिव द्वारा ई-रिक्शा बंद कराने को लेकर प्रचार किया गया था, लेकिन अब जब मंडी में अपराध, चाकूबाजी और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, तब प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से बचता नजर आ रहा है।

इसके साथ ही किसान नेताओं ने मंडी परिसर में संचालित सांची पाइंटों पर भी गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जहां नियम अनुसार केवल सांची उत्पादों की बिक्री होना चाहिए, वहीं वहां अन्य वस्तुओं की भी खुलेआम बिक्री की जा रही है, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

## रोटरी मंडल 3040 का महासम्मेलन अभिकल्प - एक संकल्प 31 मई को इंदौर में

इंदौर। रोटरी इंटरनेशनल मंडल 3040 का भव्य और प्रतिष्ठित मंडल महासम्मेलन आगामी 31 मई 2026 को सयाजी होटल, इंदौर में आयोजित होने जा रहा है। इस वर्ष अभिकल्प - एक संकल्प कार्यक्रम स्थायी प्रभाव छोड़ना थीम पर आधारित इस महासम्मेलन की मेजबानी का रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स द्व इस एक-दिवसीय समागम में देश-विदेश के रोटरी पदाधिकारी और सैकड़ों समाज सेवी जुटेंगे।

मंडलाध्यक्ष रो. संस्कार कोठारी के नेतृत्व में आयोजित होने जा रहे इस अभिकल्प - एक संकल्प महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा के नए संकल्पों को साकार करना और रोटरी की भविष्य की योजनाओं पर मंथन करना है।

कार्यक्रम अध्यक्ष रो. रिंकेश शाह पूरे तालमेल के साथ व्यवस्थाओं को संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर की पारंपरिक %अतिथि-देवो-भव:% की संस्कृति के अनुसार बाहर से आने वाले सभी रोटरी लीडर्स के स्वागत की विशेष तैयारियां की गई है ।

**अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय नेतृत्व का मिलेगा मार्गदर्शन**-मीडिया प्रभारी रो. घनश्याम सिंह ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी के अंतर्राष्ट्रीय निदेशक रो. गुरजीत सिंह शेखों उपस्थित रहेंगे, जिनका उद्बोधन सभी रोटेरियंस के लिए प्रेरणादायी होगा। इसके साथ ही, विशिष्ट अतिथियों के रूप में अन्य मंडलों के शीर्ष नेतृत्व भी इंदौर पहुंच रहे हैं, जिनमें रोटरी मंडल 3150 के आगामी मंडलाध्यक्ष रो. उदय पिछड़े एवं रोटरी मंडल 3192 के आगामी मंडलाध्यक्ष रो. रविशंकर डोकोजू प्रमुख रूप से शामिल हैं।

**सेवा कार्यों और नए प्रकल्पों पर होगा मंथन**-प्रवक्ता रो. अक्षत गुप्ता ने जानकारी दी कि अभिकल्प - एक संकल्प के तहत आयोजित विभिन्न वैचारिक सत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन जैसे गंभीर सामाजिक विषयों पर रोटरी मंडल 3040 द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, आगामी सत्र के लिए कई बड़े सेवा प्रोजेक्ट्स का संकल्प लेकर रोडमैप भी जारी किया जाएगा।

## कार्टून कोना...




# हर साल खत्म हो रहे 12 सौ से अधिक जलाशय

## भोपाल की सारंगपानी झील और इंदौर की अन्नपूर्णा झील इसका बड़ा उदाहरण

इंदौर। मप्र में जलाशयों के तेजी से विलुप्त होने का मामला अब पर्यावरणीय संकट का रूप लेता जा रहा है। नदियों और तालाबों से समृद्ध माने जाने वाले मध्यप्रदेश में पिछले एक दशक में करीब 12 हजार से अधिक छोटे-बड़े जलाशय समाप्त हो चुके हैं। यानी हर साल औसतन 1200 जलाशय समाप्त हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अतिक्रमण, शहरीकरण, सीवेज प्रदूषण और प्रशासनिक लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं।

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2018-19 में प्रदेश में लगभग 20 हजार जलस्रोत और वेटलैंड चिन्हित किए गए थे, लेकिन वर्तमान में इनमें से करीब 40 प्रतिशत जलाशय अस्तित्व खो चुके हैं। कई स्थानों पर जलाशयों की जमीन पर अतिक्रमण हो गया, जबकि कुछ जगहों पर वे पूरी तरह सूख गए। इसका सीधा असर भूजल स्तर और नदियों के प्रवाह पर पड़ रहा है। हालत यह है कि आधे से ज्यादा जलाशय अतिक्रमण की चपेट में हैं, जबकि कई जलस्रोत प्रदूषण और गाद जमाव के कारण अपना अस्तित्व खो रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले वर्षों में प्रदेश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश के 53 प्रमुख जलाशयों में से केवल 14 में ही 90 प्रतिशत से अधिक जल स्तर बचा हुआ है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि राज्य से निकलने वाली अधिकांश नदियां प्रदूषण, अवैध गतिविधियों और अतिक्रमण के कारण प्रभावित हो रही हैं।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण और गाद जमाव ने प्राकृतिक तालाबों और झीलों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। भोपाल की सारंगपानी झील और इंदौर की अन्नपूर्णा झील इसका बड़ा उदाहरण हैं। वर्षों से सीवेज और धार्मिक कचरे के कारण इन जलाशयों की स्थिति लगातार बिगड़ती गई है। धार जिले के मांडू क्षेत्र के कई ऐतिहासिक तालाब भी अब सूखकर लगभग समाप्त हो चुके हैं।

**एप्को की रिपोर्ट में गंभीर संकेत**-पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) की रिपोर्ट ने भी प्रदेश के जलाशयों की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताई थी। रिपोर्ट में भोज-आर्द्रभूमि, बड़ी और छोटी झील में बढ़ते प्रदूषण तथा अनधिकृत सीवेज बहाव का उल्लेख किया गया था। वहीं इंदौर की सिरपुर झील सहित अन्य वेटलैंड क्षेत्रों में जलीय वनस्पतियों और जीवों के खत्म होने का खतरा भी सामने आया। विशेषज्ञों का कहना है कि जलाशयों के समाप्त होने का असर केवल पेयजल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे जैव विविधता, कृषि और भूजल स्तर पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा।

**कई जिलों में 'गायब' हो गए तालाब**-प्रदेश के कई जिलों में तालाबों के रिकॉर्ड और जमीनी स्थिति में भारी अंतर सामने आया है। दमोह जिले में पहले 11 तालाब चिन्हित थे, लेकिन अब केवल 8 ही बचे हैं। कचैर तालाब, कैदी की तलैया और उमा मिस्त्री की तलैया पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं। इसी तरह रीवा जिले के पुखा मनीराम पंचायत में 25 लाख रुपए की लागत से बना तालाब रिकॉर्ड में दर्ज है, लेकिन मौके पर उसका कोई अस्तित्व नहीं है। अमलिया पंचायत में भी एक तालाब सरकारी दस्तावेजों में मौजूद है, लेकिन जमीन पर दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों द्वारा कई बार तालाब चोरी होने की शिकायत तक दर्ज कराई जा चुकी है।

**अमृत सरोवर योजना से जगी उम्मीद**-केंद्र सरकार ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए मिशन अमृत सरोवर योजना शुरू की थी। इसके तहत प्रत्येक जिले में कम से कम 75 अमृत सरोवर विकसित करने का लक्ष्य तय किया गया था। हालांकि प्रदेश के सभी जिलों में यह योजना अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी। कई स्थानों पर केवल कागजी प्रगति के आरोप भी लगे। इसके बावजूद पिछले दो वर्षों में मध्यप्रदेश ने अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में 128 प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। सरकार का दावा है कि इससे कई क्षेत्रों में भूजल स्तर सुधारने में मदद मिली है।

# तंबाकू छोड़िए, क्योंकि कैंसर इंतजार नहीं करता

## अगस्त मध्य में शुरू होगा मेदांता का अत्याधुनिक कैंसर इंस्टिट्यूट

इंदौर। कई बार जिंदगी की सबसे खतरनाक शुरुआत बहुत सामान्य लगती है। दोस्तों के साथ ली गई पहली सिगरेट, तनाव कम करने के नाम पर खाया गया गुटखा या लंबे समय से चली आ रही पान-मसाले की आदत, यही छोटी लगने वाली शुरुआत धीरे-धीरे शरीर के भीतर ऐसी बीमारी को जन्म दे सकती है, जिसका पता अक्सर तब चलता है जब बहुत देर हो चुकी होती है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, इंदौर ने लोगों से तंबाकू से दूरी बनाने और कैंसर के प्रति जागरूक रहने की अपील की है। अस्पताल के विशेषज्ञों का कहना है कि तंबाकू केवल एक व्यक्तिगत आदत नहीं बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है।

मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, इंदौर के डॉ. अमेय विहानी, डायरेक्टर, कैंसर केयर ने कहा, +हम अक्सर मरीजों और उनके परिवारों की आंखों में एक ही सवाल देखते हैं, काश हमने समय रहते संकेत पहचान लिए होते। तंबाकू से जुड़ी बीमारियों की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि लोग शुरुआत में इसे गंभीरता से नहीं लेते। मुंह में न भरने वाला घाव, सफेद या लाल चकत्ते, लगातार खांसी, निगलने में परेशानी, आवाज में बदलाव या अचानक वजन कम होना जैसे संकेत शरीर की चेतावनी हो सकते हैं। मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, इंदौर के डॉ. संजय गीद, मेडिकल डायरेक्टर ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा में कैंसर उपचार तेजी से विकसित हुआ है और अब मरीजों को अधिक सटीक, व्यक्तिगत और बहु-विषयक उपचार उपलब्ध हैं।

इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, इंदौर 15 अगस्त 2026 को एक समर्पित और अत्याधुनिक कैंसर इंस्टिट्यूट शुरू करने जा रहा है।

## मासिक धर्म स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित

इंदौर। खुशहाली सेवा संस्थान (राष्ट्रीय एनजीओ महासंघ से संबद्ध) द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर नेनोद मल्टी, नया बसेरा एवं गांधी नगर, इंदौर क्षेत्र में पिछड़े वर्ग की महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए मिथक तोड़ो जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला इंदौर के साथ साथ खुशहाली सेवा संस्थान की खरगोन जिले की शाखा द्वारा भी आशादीप पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में भी आयोजित किया गया।

संस्थान की संस्थापक डॉ .श्वेता चौधरी ने बताया कि मासिक धर्म स्वच्छता दिवस प्रतिवर्ष 28 मई को मनाने का विशेष उद्देश्य महिलाओं में जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम का संचालन संस्था की टीम लीडर अनीष्का चावड़ा, वालटियर खुशबू यादव तथा अभि श्री फाउंडेशन से अध्यक्ष अंकूर लोकरे और अमिता ममगई द्वारा मार्गदर्शन में परिचर्चा की गई। साथ ही इंटर्न हिमांशी छाबड़ा, अनिशा निगम, नमन नवलानी, सलोनी जाट, सलोनी चौधरी एवं शीतल गुसाईं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## विनय मित्तल का जन्मदिन मनाया

इंदौर। विश्व हिंदू महासंघ के संगठन मंत्री विनय मित्तल का जन्मदिन श्रीराम मंदिर पंचकुईया आश्रम पर महामंडलेश्वर रामगोपालदास जी महाराज एवं विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय धर्माचार्य महंत राजनाथ जी योगी के परम सानिध्य में विश्व हिंदू महासंघ के सदस्यों, संस्था कर्म भूमि के सदस्यों एवं मित्रों के साथ मनाया गया। विनय मित्तल को महामंडलेश्वर रामगोपाल दास जी महाराज एवं महंत राजनाथ जी योगी ने तिलक लगाकर पुष्पहार पहनाकर आशीर्वाद दिया। गौ माताओं की सेवा की गई, संतों और ब्राह्मणों को भोजन कराकर पूर्णत: वैदिक रीति से जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित महामंडलेश्वर रामगोपाल दास जी महाराज, महंत राजनाथ जी योगी, विधायक गोलू शुक्ला, भाजपा नगर उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह सोलंकी, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, नगर निगम राजस्व प्रभारी निरंजनसिंह चौहान, प्रदेश संयोजक पंडित पीयूष पुरोहित दिनेश साहू, सोहन जोशी , सचिन शर्मा, एवं संस्था कर्म भूमि के सदस्यों ने विश्व हिंदू महासंघ के संगठन मंत्री विनय मित्तल का अभिनंदन किया।

# पेट्रोल-डीजल की आग अब सब्जी मार्केट तक पहुंची

## 20 फीसदी तक महंगे हो गए सब्जी और फल

इंदौर। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर अब आम आदमी की रसोई तक पहुंचने लगा है। प्रदेशभर में सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं। परिवहन लागत बढ़ने, तेज गर्मी और हरी सब्जियों की कम आवक के कारण टमाटर, गिलकी, लौकी, हरी मिर्च, धनिया और नींबू जैसी रोजमर्रा की सब्जियां महंगी हो गई हैं।

कुछ सब्जियों के भाव तेजी से बढ़े हैं। व्यापारियों का कहना है कि परिवहन लागत बढ़ने से हरी सब्जियों के दामों में पांच से 20 रुपये प्रति किलो तक बढ़ोतरी हुई है। टमाटर 70 से 80 रुपये किलो और गिलकी 60 से 70 रुपये किलो तक पहुंच गई है। पालक, धनिया और अन्य पत्तेदार सब्जियों के भाव भी लगभग दोगुने हो गए हैं। स्थानीय उत्पादन कम होने और महाराष्ट्र-राजस्थान से महंगी आवक को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। डीजल की बढ़ती कीमत और परिवहन खर्च बढ़ने से सब्जियों और फलों के दामों में 10 से 20 प्रतिशत तक उछाल आया है। गिलकी और लौकी 50 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि नींबू 80 रुपये किलो बिक रहा है। केले के भाव भी 30 रुपये दर्जन से बढ़कर 50 से 60 रुपये दर्जन तक पहुंच गए हैं।

प्रदेशभर में भी पेट्रोल-डीजल की महंगाई का असर बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। हरी मिर्च 50 से 60 रुपये किलो, शिमला मिर्च 50 रुपये किलो और टमाटर 20 से 30 रुपये किलो तक बिक रहा है। व्यापारियों के अनुसार तेज गर्मी के कारण खेतों में हरी सब्जियां सूखने लगी हैं, जिससे मंडियों में आवक लगातार घट रही है

# बच्चों ने रचनात्मकता के साथ भविष्य का चिंतन किया

इंदौर। पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने जिस उत्साह के साथ भाग लिया वह विषय के साथ उनकी संवेदनशीलता को बताता है। सभी ने अपनी कल्पना को बड़े सुंदर तरीके से चित्र में उतारा और समाज को पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश दिया।

उक्त उद्गार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के चित्रकार श्री पीयूष शर्मा ने कल नर्मदांचल साहित्य एवं कला परिषद इंदौर द्वारा अल्पाइन एकेडमी विज्ञान नगर में आयोजित बाल चित्र कला प्रतियोगिता में व्यक्त किये ।

वरिष्ठ साहित्यकार श्री हरेराम बाजपेयी ने अपने उद्बोधन में +वह शक्ति हमे दो दया निधेऽप्रार्थना के माध्यम से परिवार,समाज और राज्य के प्रति उत्तर दायित्व निभाने का आव्हान किया ।

डॉ बालकृष्ण भट्ट के निर्देशन में नर्मदांचल की टीम ने माँ सरस्वती की संगीतमय वंदना की और नर्मदाष्टक का सामूहिक रूप से पाठ किया ।

नर्मदांचल द्वारा आयोजित बाल चित्रकला प्रतियोगिता में एक तरफ़ बालक चित्र बनाने में व्यस्त थे तो दूसरी ओर नर्मदांचल के सदस्य स्वयं प्रकाश बर्वे ने गीत,प्रो विजय चौरे ने कविता और विनोद टेमले ने भजन सुना कर पालक गण का मनोरंजन किया । सर्व प्रथम डॉ कृष्ण कांत शर्मा ने स्वागत गीत सुनाया ।

परिषद के संरक्षक श्री काशीनाथ शुक्ल जी ने कहा इस प्रकार के कार्य समाज को संस्कारित करते हैं, प्रशंसनीय है । उन्होंने बाल चित्रकला प्रतियोगिता के इस आयोजन की पालकों ने विशेष कर श्री स्वप्निल डोंगरे और श्रीमती विधना शर्मा ने कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की । प्रतियोगिता में 13 वर्ष से कम आयु के 41 बच्चों ने भाग लिया । नन्हे मुन्ने बच्चों ने पर्यावरण पर बहुत ही प्रेरणादायी, सुंदर और लुभावने चित्र बनाये । प्रोत्साहन की दृष्टि से निर्णायक का उत्तरदायित्व चित्रकला के जानकार श्री पीयूष शर्माजी एवं सुश्री मनाली अत्रे ने निभाया, और अपना निष्पक्ष एवं सटीक निर्णय दिया, जिसमे :- *प्रथम स्थान पर बालक अनय शर्मा ,द्वितीय स्थान पर बालिका प्रिशा चान्द्रायण और तृतीय स्थान पर बालिका आद्या गीते के चित्रों की घोषणा की ।

मंचासीन संस्थापक डॉ.बालकृष्ण भट्ट, सरक्षक श्री काशीनाथ शुक्ल साहित्यकार श्रीधर बर्वे, साहित्यकार हरेराम बाजपेयी, हास्य कवि प्रदीप नवीन, प्रसिद्ध चित्रकार पीयूष शर्मा एवं श्रीमती मनाली अत्रे प्रसिद्ध गायक श्री रवींद्र शर्मा का पुष्पहार से सम्मान किया गया । पश्चात उन्होंने पुरस्कृत बालकों को स्मृति चिन्ह स्वरूप शील्ड और प्रशंसा पत्र अपने हाथों से प्रदान किए । वरिष्ठ हास्य कवि श्री प्रदीप नवीन ने बच्चों को हास्य कविता सुनाई जिसे सुन कर बच्चे और बड़ों को खूब आनंद आया । कार्यक्रम में सर्व श्री कमलेश सीटोके सुरेश सोहनी, भावना डोंगरे,सरिता साकाळे ,रमा टेमले ,विभा भटोरे विनीता शर्मा ,चंद्रमणि दफ़्तरी सहित नर्मदांचल के सभी सदस्यों ने अपने तन मन और धन से सहयोग किया ।

संचालन डॉ .कृष्ण कांत शर्मा ने किया । श्री शर्मा ने अपने आभार प्रदर्शन में कार्यक्रम स्थल उपलब्ध कराने एवं स्वच्छता पूर्ण व्यवस्था कराने के लिए अल्पाइन एकेडमी के निदेशक द्वय कमलेश चौहान तथा गोविंद सिंह का आभार माना,।